कौन बनेगा पास विद् ऑनर प्रश्नोत्तरी

भाग - (75) खण्ड - {149}

समग्र मुरलियों पर आधारित अधोलिखित प्रश्नों के सबसे उपयुक्त एक ही उत्तर का चयन करें.....

प्रश्न 1- परमात्मा की दुनिया है -

A- परमधाम

B- स्वर्ग

C- संपूर्ण सृष्टि

D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 2- 21 जन्मों की प्रालब्ध का आधार क्या है ?

A- पवित्रता

B- ज्ञान

C- याद

D- याद और सेवा

प्रश्न 3- सारी दुनिया में पानी जाता है। उसका मुख्य स्रोत क्या है ?

A- सागर

B- नदियाँ

C- बरसात

D- पहाड़

प्रश्न 4- अब बाप कहते हैं पावन बनो पावन बनने के लिए सबसे जरूरी क्या है ?

A- याद और दिव्य गुणों की धारणा

B- पढ़ाई

C- याद

D- राजयोग सीखना

प्रश्न 5- बाबा की रूद्र माला में कौन पिरोए जायेगे ?

A- हम ब्राह्मण बच्चे

B- सब आत्मायें

C- 8

D- 108

प्रश्न 6- सेवा से दुआएँ मिलती हैं, ये दुआएँ ही आधार हैं -

A- खुशी का

B- सन्तुष्टता का

C- पुण्य के खाते का

D- तंदुरूस्ती का

प्रश्न 7- यह जो साधु संत आदि हैं वह हैं ?

A- भक्ति की अथॉरिटी

B- शास्त्रों की अथॉरिटी

C- वेदों की अथॉरिटी

D- A और B

प्रश्न 8- किस को चैलेन्ज करो हम महावीर हैं ?

A- पेपर को

B- परिस्थिति को

C- माया को

D- मन को

प्रश्न 9- किसमें बहादुरी दिखानी है ?

A- अन्तिम जन्म में बाप के डायरेक्शन पर चलना

B- देवता बनने में

C- वाणी से परे जाने मे

D- सम्पूर्ण नष्टोमोहा बनने में

प्रश्न 10- किस के ऊपर कोई परिस्थिति वार कर नहीं सकती ?

A- मास्टर सागर

B- अंगद

C- महावीर

D- निश्षय बुद्धि

प्रश्न 11- पेपर कब नमस्कार करेंगे ?

A- परिस्थितियों को गुडलक समझ अपने निश्चय के फाउन्डेशन को मजबूत करो तो

B- अंगद के समान मजबूत बनो तो

C- प्रकृति जीत बनो तो

D- चैलेन्ज करो हम महावीर हैं तब

प्रश्न 12- विकराल रूप, दासी यह शब्द क्या दर्शाते हैं -

A- प्रकृति

B- माया

C- पेपर

D- परिस्थिति

प्रश्न 13- कौन से गुणों के अनुभवी बनो ?

A- जो बाप के गुण गाते हो उन सर्व गुणों के

B- दैवीगुणों के

C- सात गुणो के

D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 14- तुम बच्चों को बाप देवता बनाते हैं। फिर..... से दैत्य बन जाते हैं रावण द्वारा ?

A- देह अभिमान से

B- माया से

C- विकार से

D- द्वैत

प्रश्न 15- विश्व का राज्य ले सकते हो ?

A- देही-अभिमानी बनने से

B- पावन बनने से

C- याद के बल से

D- श्रीमत के आधार से

प्रश्न 16- अथाह खुशी में रहने के लिए-

A- गरीबों का उद्धार करना है।

B- हर संकल्प शुभ हो।

C- सवेरे-सवेरे प्रेम से बाप को याद करना है और पढ़ाई पढ़नी है।

D- न दुःख दो न दुःख लो।

भाग (75) खण्ड {149} के उत्तर स्पष्टीकरण सहित

उत्तर 1- *B.स्वर्ग*

परमात्मा की दुनिया स्वर्ग में देखो, वहाँ गंद की कोई बात नहीं होती। यहाँ तो गंद ही गंद है और फिर यहाँ कह देते परमात्मा सर्वव्यापी है। परमात्मा ही सुख देते हैं। बच्चा आया सुख हुआ, मरा तो दुःख होगा। अरे, भगवान ने तुमको चीज़ दी फिर ली तो इसमें तुमको रोने की क्या दरकार है!

उत्तर 2- *A.पवित्रता*

21 जन्मों की प्रालब्ध का आधार पवित्रता है। आत्मा और परमात्मा के मिलन का आधार पवित्र बुद्धि है। संगमयुगी प्राप्तियों का आधार और भविष्य में पूज्य-पद पाने का आधार पवित्रता है इसलिए पवित्रता की पर्सनैलिटी को वरदान रूप में धारण करो।

उत्तर 3- *A.सागर*

भक्ति मार्ग में है अन्धश्रद्धा, शिव काशी कहते हैं फिर कहते हैं शिव ने गंगा लाई, भागीरथ से गंगा निकली। अब पानी माथे से कैसे निकलेगा। भागीरथ कोई ऊपर पहाड़ पर बैठा है क्या, जिसकी जटाओं से गंगा आयेगी! *पानी जो बरसता है, सागर से खींचते हैं, जो सारी दुनिया में पानी जाता है।

उत्तर 4- *C.याद*

इस समय भारत ही वेश्यालय है। पहले भारत ही शिवालय था। अभी दोनों ताज़ नहीं हैं। यह भी तुम बच्चे

ही जानते हो अब पतित-पावन बाप कहते हैं मुझे याद करो तो तुम पतित से पावन बन जायेंगे। *पावन बनने के लिए सबसे जरूरी है याद* , याद में ही मेहनत है। बहुत थोड़े हैं जो याद में रहते हैं।

उत्तर 5- *A.हम ब्राह्मण बच्चे*

बच्चों ने गीत का अर्थ सुना कि *बाबा हम आपकी रुद्र माला में पिरो ही जायेंगे।* यह गीत तो भक्ति मार्ग के बने हुए हैं, जो भी दुनिया में सामग्री है, जप-तप, पूजा-पाठ यह सब है भक्ति मार्ग। भक्ति रावण राज्य, ज्ञान रामराज्य। ज्ञान को कहा जाता है नॉलेज, पढ़ाई। भक्ति को पढ़ाई नहीं कहा जाता।

उत्तर 6- *D.तंदुरूस्ति का*

स्लोगन:- *सेवा से जो दुआयें मिलती हैं - वह दुआयें ही तन्दरूस्ती का आधार हैं।*

उत्तर 7- *B.शास्त्रों की अथॉरिटी*

यह जो साधु-सन्त आदि हैं वह हैं शास्त्रों की अथॉरिटी। भक्ति की भी अथॉरिटी नहीं कहेंगे। शास्त्रों की अथॉरिटी हैं, उन्हों का सारा मदार शास्त्रों पर है। समझते हैं भक्ति का फल भगवान को देना है। भक्ति कब शुरू हुई, कब पूरी होनी है, यह पता नहीं है।

उत्तर 8- *B.परिस्थिति को*

कोई भी परिस्थिति आये तो आप हाई जम्प दे दो क्योंकि परिस्थिति आना भी गुड-लक है। यह निश्चय के फाउन्डेशन को मजबूत करने का साधन है। *चैलेन्ज करो हम महावीर हैं। जैसे पानी के ऊपर लकीर ठहर नहीं सकती, ऐसे मुझ मास्टर सागर के ऊपर कोई परिस्थिति वार कर नहीं सकती।*

उत्तर 9- *A.अन्तिम जन्म में बाप के डायरेक्शन पर चलना*

मनुष्य तुम्हारी नई बातें सुनकर वन्डर खाते हैं, कहते हैं कि स्त्री-पुरुष दोनों ही इकट्ठे रह पवित्र रह सकें - यह कैसे हो सकता! अभी तुम पवित्र बनते हो। तो बाबा कहते बहादुरी दिखलाओ। सन्यासियों के आगे सबूत देना है। *इस एक अन्तिम जन्म में बाप के डायरेक्शन पर चल घर गृहस्थ में रहते पवित्र रहना है। इसमें बहादुरी दिखानी है।*

उत्तर 10- *A.ज्ञान योग*

यह बाबा कहते हैं मुझे विनाश, स्थापना का साक्षात्कार भी उस बाबा ने कराया, परन्तु साक्षात्कार से कोई का भी कल्याण नहीं। ऐसे तो बहुतों को साक्षात्कार होते थे। आज वह हैं नहीं। बहुत बच्चे कहते हैं हमको जब साक्षात्कार हो तो निश्चय बैठे। परन्तु निश्चय साक्षात्कार से नहीं हो सकता। *निश्चय बैठता है ज्ञान और योग से।*

उत्तर 11- *B.अंगद के समान मजबूत बनो तो*

कोई भी परिस्थिति आये तो आप हाई जम्प दे दो क्योंकि परिस्थिति आना भी गुड-लक है। यह निश्चय के फाउन्डेशन को मजबूत करने का साधन है। *आप जब एक बारी अंगद के समान मजबूत हो जायेंगे तो यह पेपर भी नमस्कार करेंगे।*

उत्तर 12- *C.पेपर*

आप जब एक बारी अंगद के समान मजबूत हो जायेंगे तो यह पेपर भी नमस्कार करेंगे। *पहले विकराल रूप में आयेंगे और फिर दासी बन जायेंगे।* चैलेन्ज करो हम महावीर हैं। जैसे पानी के ऊपर लकीर ठहर नहीं सकती, ऐसे मुझ मास्टर सागर के ऊपर कोई परिस्थिति वार कर नहीं सकती।

उत्तर 13- *A.जो बाप के गुण गाते हो उन सर्व गुणों के*

जो बाप के गुण गाते हो उन सर्व गुणों के अनुभवी बनो, जैसे बाप आनंद का सागर है तो उसी आनंद के सागर की लहरों में लहराते रहो। जो भी सम्पर्क में आये उसे आनदं, प्रेम, सुख... सब गुणों की अनुभूति कराओ। ऐसे सर्व गुणों के अनुभवी मूर्त बनो

उत्तर 14- *D.द्वैत*

इन लक्ष्मी-नारायण का राज्य था, अद्वेत राज्य था। दो थे ही नहीं जो ताली बजे। उसको कहा ही जाता है - अद्वेत राज्य। तुम बच्चों को बाप देवता बनाते हैं। *फिर द्वेत से दैत्य बन जाते हैं रावण द्वारा।* अभी तुम बच्चे जानते हो हम भारतवासी सारे विश्व के मालिक थे।

उत्तर 15- *C.याद के बल से*

अभी तुम बच्चे जानते हो हम भारतवासी सारे विश्व के मालिक थे। *तुमको विश्व का राज्य सिर्फ याद बल से मिला था।* अब फिर मिल रहा है। कल्प-कल्प

मिलता है, सिर्फ याद के बल से। पढ़ाई में भी बल है। जैसे बैरिस्टर बनते हैं तो बल है ना। वह है पाई-पैसे का बल।

उत्तर 16- *C.सवेरे-सवेरे प्रेम से बाप को याद करना है और पढ़ाई पढ़नी है*

अथाह खुशी में रहने के लिए - सवेरे-सवेरे प्रेम से बाप को याद करना है और पढ़ाई पढ़नी है। भगवान हमें पढ़ा-कर पुरुषोत्तम बना रहे हैं, हम संगमयुगी हैं, इस नशे में रहना है।

कौन बनेगा पास विद् ऑनर प्रश्नोत्तरी

भाग - (75) खण्ड - {150}

प्रश्न 1- मूल बात ही है ..... बनने की ?

A- पावन

B- देही-अभिमानी

C- कर्मातीत

D- निर्विकारी

प्रश्न 2- वास्तव में यहां (संदली पर) किसको बैठना चाहिए ?

A- जो देही-अभिमानी बन बाप की याद में बैठे

B- टीचर

C- ज्ञानी

D- ब्रह्मामुख वंशावली ब्राह्मण

प्रश्न 3- अन्त में पूरे क्या बनने वाले ही पास होंगे ?

A- देही-अभिमानी

B- कर्मातीत

C- फरिश्ता

D- नष्टोमोहा

प्रश्न 4- पहले-पहले तो क्या गांठ बांधो ?

A- स्वयं को आत्मा निश्चय करने की

B- सभी को दो बाप का परिचय देने की

C- बाप के याद की

D- पवित्र बनने की

प्रश्न 5- ड्रामा के राज को कैसे समझना है ?

A- विशाल बुद्धि से

B- निश्चय बुद्धि बन

C- बेहद की बुद्धि से

D- महीन बुद्धि से

प्रश्न 6- परमात्मा को प्रत्यक्ष कर माया प्रूफ बनने का सहज साधन है ?

A- धारणा युक्त जीवन

B- चेहरे और चलन से

C- संपूर्ण पवित्र जीवन

D- फॉलो फादर

प्रश्न 7- बहुत बच्चे समझते हैं योग में 100% हैं बाबा कहते है ?

A- 25%

B- 2%

C- 10%

D- 5%

प्रश्न 8- स्कॉलरशिप लेने के अधिकारी कब बनेंगे ?

A- एकाग्रता के अभ्यास से

B- निरहंकारिता के अभ्यास से

C- अन्तर्मुखता के अभ्यास से

D- ज्ञान योग से

प्रश्न 9- जहाँ भक्ति है वहाँ क्या है ?

A- दुख

B- वेद-शास्त्र

C- देह-अभिमान

D- अंधियारा

प्रश्न 10- बाप कहते हैं दिन-रात जितना हो सके ?

A- याद में रहो

B- मन्सा सेवा करो

C- बाबा के मददगार बनो

D- दुआएँ दो दुआएँ लो

प्रश्न 11- कहाँ दिल भर कर शान्ति मिलती है ?

A- स्वर्ग में

B- सतयुग में

C- शान्तिधाम में

D- मधुबन में

प्रश्न 12- किसी के निगेटिव को पाज़िटिव में बदलने वाले ही क्या हैं ?

A- रुहानी हैं

B- योग युक्त सेवाधारी हैं

C- विश्व परिवर्तक हैं

D- स्व परिवर्तक हैं

प्रश्न 13- कारण को निवारण में परिवर्तन कर देती है ?

A- आत्मिक स्थिति

B- दृढ़ता

C- शुभभावना

D- निश्चितता

प्रश्न 14- ससुर घर है ?

A- सतयुग

B- कलियुग

C- संगमयुग

D- शान्ति धाम

प्रश्न 15- ब्रह्मा सो विष्णु, कौन से चित्र में कितना क्लीयर है ?

A- झाड़

B- त्रिमूर्ति के

C- गोले के

D- सीढ़ी के

प्रश्न 16- बहुत हैं जो 6-8 मास, 12 मास पढ़कर फिर गिर पड़ते हैं। फेल हो पड़ते हैं क्योंकि -

A- श्रीमत पर चलते नहीं

B- पवित्र बनते नहीं

C- पढ़ाई नहीं करते

D- याद नहीं करते

भाग (75) खण्ड {150} के उत्तर स्पष्टीकरण सहित

उत्तर 1- *A.पावन*

कल्प-कल्प बाप आकर हमको माया पर जीत पहनाते हैं। *मूल बात ही है पावन बनने की।* पतित बने

हैं विकार से। बाप कहते हैं काम महाशत्रु है। यह आदि-मध्य-अन्त दु:ख देने वाला है।

उत्तर 2- *A.जो देही-अभिमानी बन बाप की याद में बैठे*

वास्तव में यहाँ (संदली पर) बैठना उनको चाहिए *जो देही-अभिमानी बन बाप की याद में बैठे।* अगर याद में नहीं बैठेंगी तो वह टीचर कहला नहीं सकती। याद में शक्ति रहती है, ज्ञान में शक्ति नहीं है। इसको कहा ही जाता है - याद का बल।

उत्तर 3- *A.देही-अभिमानी*

देही-अभिमानी हों तो उस बाप को याद करें और बाप की श्रीमत पर चलें। बाप कहते हैं मुझे जानने के लिए सब पुरुषार्थी हैं। *अन्त में पूरे देही-अभिमानी बनने वाले ही पास होंगे।* बाकी सबमें ज़रा-ज़रा देह-अभिमान रहेगा।

उत्तर 4- *C.बाप की याद की*

बाबा कहते हैं पहले-पहले तो गांठ बांधो - बाप के याद की। बाप कहते हैं मुझे याद करो। आत्मा को अब घर जाना है। देह के सब सम्बन्ध छोड़ देने हैं। जितना हो सके बाप को याद करते रहो। यह पुरुषार्थ है गुप्त।

उत्तर 5- *D.महीन बुद्धि से*

महीन बुद्धि से इस ड्रामा के राज़ को समझना है। यह बहुत-बहुत कल्याणकारी ड्रामा है, हम जो बोलते हैं वा करते हैं वह फिर 5 हज़ार वर्ष बाद रिपीट होगा, इसे यथार्थ समझ खुशी में रहना है।

उत्तर 6- *C.सम्पूर्ण पवित्र जीवन*

स्वयं को परमात्म ज्ञान का प्रत्यक्ष प्रमाण वा प्रूफ समझने से माया प्रूफ बन जायेंगे। प्रत्यक्ष प्रूफ है - आपकी श्रेष्ठ पवित्र जीवन। सबसे बड़ी असम्भव से

सम्भव होने वाली बात प्रवृत्ति में रहते पर-वृत्ति में रहना। देह और देह की दुनिया के संबंधों से पर (न्यारा) रहना। पुराने शरीर की आंखों से पुरानी दुनिया की वस्तुओं को देखते हुए न देखना अर्थात् *सम्पूर्ण पवित्र जीवन में चलना - यही परमात्मा को प्रत्यक्ष करने वा माया प्रूफ बनने का सहज साधन है।*

उत्तर 7- *B. 2%*

बाप कितना समझाते हैं - चार्ट रखो। मुख्य है ही योग की बात। बच्चों में ज्ञान के समझाने का शौक तो है लेकिन योग नहीं है। तो योग बिगर विकर्म विनाश नहीं होंगे फिर पद क्या पायेंगे! योग में तो बहुत बच्चे फेल हैं। *समझते हैं हम 100 प्रतिशत हैं। परन्तु बाबा कहते 2 प्रतिशत हैं।*

उत्तर 8- *C.अन्तर्मुखता के अभ्यास से*

अन्तर्मुखता के अभ्यास से। तुम्हें बहुत अन्तर्मुखी रहना है। बाप तो है कल्याणकारी। कल्याण के लिए ही राय देते हैं। जो अन्तर्मुखी योगी बच्चे हैं वह कभी देह-अभिमान में आकर रूसते वा लड़ते नहीं। उनकी चलन बड़ी रॉयल शानदार होती है। बहुत थोड़ा बोलते हैं, यज्ञ सर्विस में रुचि रखते हैं। वह ज्ञान की ज्यादा तिक-तिक नहीं करते, याद में रहकर सर्विस करते हैं।

उत्तर 9- *A.दु:ख*

तुम जानते हो हम पढ़ते ही हैं नई दुनिया के लिए। जहाँ यह वेद-शास्त्र आदि होते ही नहीं। सतयुग में भक्ति होती नहीं। वहाँ है ही सुख। *जहाँ भक्ति है वहाँ दु:ख है। *

उत्तर 10- *A.याद में रहो*

बाप बैठ बच्चों को समझाते हैं। रास्ता बहुत सहज समझाया जाता है फिर भी बच्चे ठोकरे खाते रहते हैं। यहाँ

बैठे हैं तो समझते हैं हमको बाप पढ़ाते हैं, शान्तिधाम जाने का रास्ता बताते हैं। बहुत सहज है। *बाप कहते हैं दिन-रात जितना हो सके याद में रहो।*

उत्तर 11- *C.शान्तिधाम*

इस समय सब अशान्त हैं। सतयुग में तो इतने धर्म होंगे ही नहीं। सब शान्ति में चले जायेंगे। *शान्तिधाम में दिल भर कर शान्ति मिलती है* तुमको राजाई में शान्ति भी है, सुख भी है। सतयुग में पवित्रता, सुख, शान्ति सब है तुमको।

उत्तर 12- *C.विश्व परिवर्तक हैं*

स्लोगन:- *विश्व परिवर्तक वही है जो किसी के निगेटिव को पॉजिटिव में बदल दे।*

उत्तर 13- C शुभ भावना*

स्लोगन:- *शुभ भावना कारण को निवारण में परिवर्तन कर देती है।*

उत्तर 14- A सतयुग

कन्या की जब शादी होती है तो वन में बैठती है फिर महल में जाती है। तुम भी जंगल में बैठे हो। *सतयुग में ससुर घर जाना है*, इस पुरानी देह को छोड़ना है। एक बाप को याद करो।

उत्तर 15- D सीढ़ी के

अभी तुम समझते हो बाबा इस रथ पर आते हैं, इनको ही भाग्यशाली रथ कहा जाता है। *ब्रह्मा सो विष्णु, सीढ़ी के चित्र में कितना क्लीयर है।* त्रिमूर्ति के ऊपर शिव, यह शिव का परिचय किसने दिया। बाबा ने ही बनवाया ना। अभी तुम समझते हो बाबा इस ब्रह्मा रथ में आये हैं। ब्रह्मा सो विष्णु, विष्णु सो ब्रह्मा। यह भी बच्चों को समझाया है, कहाँ 84 जन्म के बाद विष्णु सो ब्रह्मा

बनते, कहाँ ब्रह्मा सो विष्णु एक सेकेण्ड में। वन्डरफुल बातें है ना बुद्धि में धारण करने की।

उत्तर 16- C पढ़ाई नहीं करते

बहुत हैं जो 6-8 मास, 12 मास पढ़कर फिर गिर पड़ते हैं। फेल हो पड़ते हैं। भल पवित्र बनते हैं *परन्तु पढ़ाई नहीं करते तो फँस पड़ते हैं।* सिर्फ पवित्रता भी काम नहीं आती। ऐसे बहुत सन्यासी भी हैं, वह सन्यास धर्म छोड़ जाए गृहस्थी बन जाते हैं, शादी आदि कर लेते हैं। तो अब बाप बच्चों को समझाते हैं - तुम स्कूल में बैठे हो।